विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

मुजफ्फरपुर, मंगलवार
1 दिसंबर 2015

लीची उत्पादन में करें तकनीक का प्रयोग

मुशहर (मुजफ्फरपुर), संस : प्रशिक्षण में प्राप्त नवीनतम ज्ञान का प्रयोग किसान या अधिकारी लीची उत्पादन में करें ताकि किसानों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। आत्मनिर्भर होने के साथ देश का नाम भी रोशन करें। उक्त बातें राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र में चल रहे आठ दिवसीय लीची में उत्तम कृषि क्रियाओं पर आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. विशाल नाथ ने कही। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य लीची उत्पादक राज्यों के कृषि अधिकारियों एवं उद्यमियों को नवीनतम जानकारी प्रदान करना है। वरीय वैज्ञानिक डॉ. शेषधर पांडेय ने प्रशिक्षणार्थियों को लीची की उन्नत किस्में, उपयुक्त खेत तथा पौधों का चयन, सही पौधरोपण, संरक्षण, नियमित फलन, क्षेत्र का प्रबंध, सिंचाई खाद आदि के अनुपयोग तथा कीट व्याधि की पहचान एवं नियंत्रण के पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। वैज्ञानिक एसवी पूर्वे व अमरेंद्र कुमार ने भी बेहतर उत्पादन से संबंधित तकनीकी जानकारी दी। वरीय वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार ने कृषकों को विशेष तौर पर घोल तैयार करने, छिड़काव की विधि, ढांचा निर्माण, छल्ला निर्माण, खाद एवं उर्वरक प्रयोग ,जैविक खेती, सिंचाई एवं जल प्रबंध की प्रायोगिक जानकारी दी। प्रशिक्षण में उत्तराखंड से 6, बिहार से 16 , झारखंड से 2, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, आसाम सहित उत्तर प्रदेश से एक-एक प्रतिनिधि शामिल हुए।